Dr. Sunil Kr. 'Suman'
Assistant Professor(Guest)
Dept. of Psychology
D.B. college Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part-II (H)
Paper-III (H)
Date:- 08-08-2020
DO-Next

DO Next

Introduction of Psychopathology.

Concept of Normality & Abnormality.

असामान्यता की वैज्ञानिक धारणा (Scientific concept of abnormality):- आधुनिक वैज्ञानिकों की दृष्टि में असामान्य और सामान्य के बीच कोई विभाजन रेखा (watertight dividing line) नहीं। इनमें सापेक्षिक अंतर (relative difference) होता है, अर्थात सामान्य और असामान्य दो अलग अलग प्रकार नहीं है, बल्कि सामान्यता का ही बढ़ा हुआ या घटा हुआ रूप असामान्यता है। कभी-कभी असामान्यता को पहचानने में कठिनाई होता है।

आधुनिक विचारधारा के अनुसार व्यक्तित्व के शीलगुणों (traits of personality) को सतत या निरंतर मापदंड (continuous scale) पर बांटकर देखा जाए तो स्पष्ट होगा की " असामान्य मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाएं सामान्य मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं का ही अतिरंजित रूप अतिविकसीत या अविकसीत अथवा छद्म अर्थात ~~विकृ~~ (विकृत) विकास की स्थिति का सूचक है।

असामान्यता की इस वैज्ञानिक 'धारणा' की कुछ महत्वपूर्ण बातें निम्नलिखित हैं।

(1) इस विचारधारा के अनुसार, असामान्य (abnormal), सामान्य (Normals) और प्रतिभाशाली ~~genius~~ (genius) के बीच अंतर नहीं है। वास्तव में

सामान्य व्यक्ति के चिंतन (Thought), भाव (Feelings) और क्रियाओं (activities) का ही बढ़ा हुआ या घटा हुआ रूप असामान्यता कहलाती है। लेकिन सामान्यता और असामान्यता में मात्रा का अंतर है, नाकि प्रकार का (Difference between normal and abnormal is that of degree and not of kind.)

(ii) जिस प्रकार व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के स्वाभाविक कारण होते हैं, उसी तरह असामान्य व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं की भी स्वाभाविक कारण होते हैं। यानी सामान्य व्यक्ति की तरह ही सामान्य व्यक्ति की मानस तथ्य (Mental phenomenon) स्वाभाविक नियमों (Natural laws) द्वारा शासित (govern) होते हैं। लेकिन लोग असामान्यता को दैविक प्रकोप या भूत प्रेत का प्रभाव मानता है, लेकिन साधारण मनोवैज्ञानिक ~~द्वारा~~ नियमों द्वारा शासित (governed by psychological principles) है। अतः सामान्य व्यवहार अर्थपूर्ण (meaningful) और विशेष महत्व (significance) का होता है। इस प्रकार जिस तरह सामान्य व्यक्ति के तर्कपूर्ण और संगत चिंतन की प्रक्रिया (logic and coherent thinking) का अपना महत्व होता है, उसी प्रकार पागलों की बेसिर पैर की बातों (ravings of the insane) का भी महत्व होता है।

(iii) यदि हम असामान्य व्यक्ति के जीवन वृत्त (life history) एवं उसकी वर्तमान परिस्थितियों (present situations) पर ध्यान दें तो स्पष्ट होगा की जिस प्रकार सामान्य व्यक्ति अपने जीवन की कठिन परिस्थितियों के साथ अभियोजन हेतु सोचते विचारते या कोई क्रिया करता है, उसी प्रकार मानसिक रोगियों के व्यवहार भी अभियोजन से संबंध रखते हैं। अतः इन दोनों प्रकारों के व्यक्तियों का लक्ष्य अभियोजन या सामंजस्य स्थापित करना होता है। अंतर केवल

Scanned with CamScanner

उनके व्यवहारों की तीव्रता (Intensity), बारंबारता (Frequency) और अवधि (Duration) में होता है। आधुनिक विचार के अनुसार असामान्य व्यक्ति सामान्य व्यक्ति से मात्रा में भिन्न होता है, न कि अलग अलग प्रकार के रूप में। (Abnormals dibber from the normals in degree and not kind.)

आधुनिक दृष्टिकोण से सामान्य असामान्य और प्रतिभाशाली वर्गों में निरंतरता (continuity) की स्थिति पाई जाती है।

End.

Scanned with CamScanner